Office of Chief Electoral Officer
Rajasthan Secretariat, Jaipur

E-Mail: ceojpr-rj@nic.in &
raj.election.media24@gmail.com

Press Release **24-11-2025**

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026

राजस्थान में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन में उल्लेखनीय प्रगति

डिजिटाइजेशन में राजस्थान देश के बड़े राज्यों में अग्रणी

आधे विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 75% से कार्य पूर्ण

जयपुर, 24 नवंबर। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (SIR-2026) के अंतर्गत राजस्थान में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य तीव्र गति से जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने बताया कि प्रदेश में अब तक लगभग 4 करोड़ गणना प्रपत्र ECI-Net पर अपलोड किए जा चुके हैं, जिसके साथ राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर बरकरार है।

देशभर के 12 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में चल रहे SIR अभियान में राजस्थान एकमात्र ऐसा राज्य है, जहाँ 3000 से अधिक बूथों पर 100% डिजिटाइजेशन* पूरा किया जा चुका है। कई पंचायत भी अब पूरी डिजिटाईजेशन होने जा रही हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की पहल पर शुरू हुआ *BLO सम्मान अभियान, जो 78 से प्रारंभ हुआ था, अब **1800 से अधिक उत्कृष्ट BLOs* तक पहुंच चुका है।

जिलेवार प्रगति

बाड़मेर जिला – 85% डिजिटाइजेशन के साथ राज्य में लगातार प्रथम स्थान पर। *बालोतरा* एवं *सलूंबर* – 80% से अधिक अपलोडिंग के साथ शीर्ष जिलों में शामिल।

विधानसभा क्षेत्रवार स्थिति

राजस्थान की भौगोलिक विविधताओं–मरुस्थलीय, पहाड़ी, मैदानी और नहरी क्षेत्रों–के बावजूद BLOs ने स्थानीय स्तर पर बेहतर योजना और वरिष्ठ अधिकारियों के प्रभावी पर्यवेक्षण के बल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

वर्तमान स्थिति में *लगभग आधे विधानसभा क्षेत्रों में 75% से अधिक डिजिटाइजेशन* का कार्य पूरा हो चुका है।

* *बायतु विधानसभा क्षेत्र* – 90% से अधिक प्रपत्र अपलोड, प्रदेश में सर्वोच्च।
* *बाड़ी और वैर* 88%और 87% डिजिटाइजेशन के साथ दूसरे एवं तीसरे स्थान पर।
* कुल 26 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां 80% से अधिक डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा हो चुका है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहां आवश्यकता हो, वहां BLOs को *अतिरिक्त संसाधन, डिजिटल उपकरण एवं प्रशासनिक सहयोग* उपलब्ध कराया जाए, ताकि डिजिटाइजेशन की गति और तीव्र की जा सके। अब तक प्रदेश में 3000 से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारियों ने अपने बूथ का 100% कार्य समाप्त कर दिया है राज्य के औसत को देखें तो प्रति BLO 754 फार्म डिजिटाइज किए जा चुके हैं। गत पांच दिवस की प्रगति को देखें, तो राज्य की औसत दैनिक प्रगति दर 5.78 प्रतिशत है। बालोतरा, करौली, सीकर, डूंगरपुर व झुंझुनूं सर्वाधिक प्रगति दिखाने वाले जिले हैं जबकि जयपुर, ब्यावर , अजमेर, पाली एवं सिरोही में यह धीमी नजर आई है। श्री महाजन ने स्पष्ट किया कि डिजिटाइजेशन में धीमी प्रगति दिखाने वाले जिलों में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को स्पेशल कैंप लगाकर गति बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया है। बालोतरा एकमात्र जिला है जहां डिजिटाइजेशन भी पहले से ही अच्छा है और इन पांच दिवस के दौरान भी इसमें सर्वाधिक प्रगति देखी गई है। उन्होंने बालोतरा जिले के अधिकारियों की प्रशंसा की।

जनजागरूकता एवं ऑनलाइन प्रक्रिया को बढ़ावा

श्री महाजन ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि *voters.eci.gov.in* पर ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने हेतु एवं आयोग की नई सुविधा Search by Name का उपयोग करने के लिए–

* मीडिया एवं सोशल मीडिया का व्यापक उपयोग किया जाए।
* इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ELC) के माध्यम से युवाओं तक अधिकाधिक पहुंच बनाई जाए।
* पोर्टल के उपयोग व ऑनलाइन फॉर्म भरने की प्रक्रिया पर आधारित *लघु वीडियो* प्रदेश के सभी कॉलेजों एवं शिक्षण संस्थानों में प्रदर्शित किए जाएं।

उन्होंने कहा कि इससे अधिक से अधिक युवा मतदाता एवं योग्य नागरिक आधुनिक डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

Office of Chief Electoral Officer
Rajasthan Secretariat, Jaipur

E-Mail: ceojpr-rj@nic.in &
raj.election.media24@gmail.com

Press Release **24-11-2025**

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 :

दिव्यांग बीएलओ की अदम्य इच्छाशक्ति बनी राजस्थान की पहचान

सूरजमल, बाबूलाल और कल्याणमल–तीन नाम, एक प्रेरणा : सीमाओं के बावजूद 100% उपलब्धि की अनोखी कहानी

राजस्थान का मानवीय चेहरा–दिव्यांग बीएलओ की प्रेरक शक्ति

जयपुर, 24 नवंबर। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 का कार्य राजस्थान में न केवल तेज़ गति से आगे बढ़ रहा है, बल्कि कई ऐसे प्रेरक उदाहरण सामने आए हैं, जिन्होंने इस अभियान को मानवीय संवेदना, समर्पण और अदम्य साहस का रूप दे दिया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने बताया कि राजस्थान लगभग 4 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्र ECI-Net पर अपलोड कर देश में प्रथम स्थान पर है। साथ ही, देशभर के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रहे एसआईआर अभियान में राजस्थान एकमात्र राज्य है जहाँ 2000 से अधिक बूथ 100% डिजिटाइज किए जा चुके हैं। अब पूरी पंचायत भी डिजिटाइज होना शुरू हो चुकी हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की पहल पर 78 बीएलओ के सम्मान से शुरू हुआ कारवां अब 1800 से अधिक तक पहुंच गया है।

इस उपलब्धि के पीछे कई निष्ठावान बीएलओ का योगदान है, पर इनमें से कुछ नाम विशेष रूप से प्रेरक हैं–क्योंकि उन्होंने अपनी शारीरिक सीमाओं को कमजोरी नहीं, बल्कि संकल्प का स्रोत बनाया।

1. बाबूलाल पुजारी - गोगुंदा (उदयपुर)

दिव्यांगता के बावजूद 100% कार्य–कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल

उदयपुर जिले की गोगुंदा विधानसभा के भाग संख्या 18 के बीएलओ बाबूलाल पुजारी ने एसआईआर-2026 के तहत शत-प्रतिशत कार्य पूरा किया है। उनका यह कार्य न केवल प्रशासन बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक बन गया है।

इनका कार्य अत्यंत कठिन था क्यों कि ये क्षेत्र भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण है, कई घर दूर-दराज व पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। यहां कई स्थानों पर नेटवर्क नहीं मिलता, कभी वाहन न मिलने पर पूरा रास्ता पैदल तय करना पड़ता–फिर भी बाबूलाल ने धैर्य, साहस और कर्तव्यनिष्ठा को अपना आधार बनाए रखा, और प्रशासन द्वारा दी गयी टीम के साथ मिलकर यह उपलब्धि सहजता से हासिल की। दिन भर घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरवाते और शाम को घर लौटकर डिजिटाइजेशन पूरा करते–यह उनका रोज़ का अनुशासन बन गया।

समयबद्धता, संपूर्णता और कर्तव्यनिष्ठा–बाबूलाल की इन तीन विशेषताओं ने उन्हें एक उत्कृष्ट बीएलओ के रूप में स्थापित किया।

उनकी कार्यशैली ने सिद्ध किया: "दिव्यांगता नहीं, जिम्मेदारी की भावना व्यक्ति को बड़ा बनाती है।"

2. सूरजमल धाकड़ - चित्तौड़गढ़

"दिव्यांगता बाधा नहीं, दृढ़ निश्चय ही सच्ची पहचान"

चित्तौड़गढ़ जिले के रा.उ.प्रा.वि. मायरा के शिक्षक सूरजमल धाकड़ भाग संख्या 218 के दिव्यांग बीएलओ हैं। शारीरिक सीमाओं के बावजूद उन्होंने जिले में 100% उपलब्धि हासिल करने वाले पहले दिव्यांग बीएलओ बनकर इतिहास रच दिया।

- 90% से अधिक घरों की मैपिंग पहले ही पूरी कर ली, जिससे पूरे काम की गति बढ़ गई।
- बाहरी मतदाताओं का अलग रजिस्टर संधारित किया।
- जिन घरों में मतदाताओं की तस्वीरें उपलब्ध नहीं थीं, वहाँ वे स्वयं गए और फोटो की व्यवस्था की।

उनके शांत, संयमित और परिणाम-केंद्रित कार्यशैली ने ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता के नए मापदंड स्थापित किए।

सूरजमल धाकड़ का यह संदेश दूर-दूर तक गूंज रहा है– "सीमा शरीर की हो सकती है, संकल्प की नहीं।"

3. कल्याणमल मीणा, सहायक बीएलओ - सवाई माधोपुर

सेवानिवृत्ति के बाद भी सेवा का जज्बा–जीवटता की अनोखी कहानी

सवाई माधोपुर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अनियाला के अंतर्गत भाग संख्या 16 के सेवानिवृत्त दिव्यांग बीएलओ कल्याणमल मीणा की कहानी सबसे विशिष्ट है।

सेवानिवृत्ति के दो वर्ष बाद, जब एसआईआर की चुनौती सामने आई, उन्होंने अपने उत्तराधिकारी बीएलओ जीतराम मीणा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का निर्णय लिया।

•उन्होंने जीतराम मीणा के साथ बैठकर प्रत्येक मतदाता पर अपनी पूर्व-जानकारी साझा की,

•अपनी पूर्व पहचान के कारण वार्ड-वार्ड जाकर एसआईआर के बारे में जानकारियां दी,

•कई महिला मतदाताओं की पहचान उनके प्रयासों के आधार पर संभव हुई,

•टीमवर्क में आंगनवाड़ी, आशा सहयोगिनी और पटवार टीम को जोड़कर काम किया,

•सुबह से देर शाम तक गणना प्रपत्रों को बहु-स्तरीय प्रक्रिया में सही ढंग से भरा, संधारित किया और अपलोड किया।

जो व्यक्ति सेवा निवृत्त था और स्वयं दिव्यांग था, उसने अपनी लगन से यह साबित किया कि कर्तव्य का रिश्ता पद से नहीं, भावना से होता है।

उनका योगदान टीमवर्क, अनुभव और जनसेवा का बेहतरीन उदाहरण है।

राजस्थान का मानवीय चेहरा–दिव्यांग बीएलओ की प्रेरक शक्ति

श्री महाजन ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 सिर्फ दस्तावेज़ों का कार्य नहीं है–यह मानवीय समर्पण, आत्मबल और सेवा भावना की जीवंत मिसाल बन गया है। सूरजमल, बाबूलाल और कल्याणमल–इन तीनों ने यह सिद्ध किया है कि– “किसी भी बड़े लक्ष्य को पाने के लिए शरीर की नहीं, मन की स्वस्थता आवश्यक है।” राजस्थान आज देश में अग्रणी है, और इस अग्रणी भूमिका की नींव इन जैसे बीएलओ ने अपने कार्य एवं समर्पण से रखी है।